

Here s how it maps to the lyrics:

Come thou Fount of every blessing

```
e | -0---0---0---0---0---0-0---0--0--- |
B | -0---0---0---0---0---0-0---0--0--- |
G#| -0---0---0---0---0---0-0---0--0--- |
E | -4---2---0---0---4-7---2--2--- |
B | -0---0---0---0---0---0-0---0--0--- |
E | -0---0---0---0---0---0-0---0--0--- |
```

Tune my heart to sing thy grace

```
e | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
G#| -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | -4---7---9---7---4---2---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
```

Streams of mercy, never ceasing

```
e | ---0---0---0-0---0-0---0--0--- |
B | ---0---0---0-0---0-0---0--0--- |
G#| ---0---0---0-0---0-0---0--0--- |
E | ---4---2---0-0---4-7---2--2--- |
B | ---0---0---0-0---0-0---0--0--- |
E | ---0---0---0-0---0-0---0--0--- |
```

Call for songs of loudest praise

```
e | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
G#| -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | -4---7---9---7---4---2---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
```

Teach me some melodious son - net

```
e | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
G#| --3---5---8---7---5---3---3h5p3-0--- |
E | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
```

Sung by flaming tongues above

```
e | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
G#| -3---5---8---7---5---3-3/8--- |
E | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
B | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
E | -0---0---0---0---0---0---0---0--- |
```

Praise the mount! I m fixed upon it

```
e | --0---0---0---0---0---0---0---0--- |
```

```

B |--0----0----0----0----0----0-0--0---|
G#|--0----0----0----0----0----0-0--0---|
E |--4----2----0----0----4----7-2--2---|
B |--0----0----0----0----0----0-0--0---|
E |--0----0----0----0----0----0-0--0---|

```

Mount of thy redeeming love

```

e |-0----0---0---0-0--0----0---|
B |-0----0---0---0-0--0----0---|
G#|-0----0---0---0-0--0----0---|
E |-4----7---9---7-4--2----0---|
B |-0----0---0---0-0--0----0---|
E |-0----0---0---0-0--0----0---|

```

And here are the full lyrics so you can sing along:

Come, thou Fount of every blessing,
tune my heart to sing thy grace;
streams of mercy, never ceasing,
call for songs of loudest praise.
Teach me some melodious sonnet,
sung by flaming tongues above.
Praise the mount! I m fixed upon it,
mount of thy redeeming love.

Here I raise mine Ebenezer;
hither by thy help I m come;
and I hope, by thy good pleasure,
safely to arrive at home.
Jesus sought me when a stranger,
wandering from the fold of God;
he, to rescue me from danger,
interposed his precious blood.

O to grace how great a debtor
daily I m constrained to be!
Let thy goodness, like a fetter,
bind my wandering heart to thee.
Prone to wander, Lord, I feel it,
prone to leave the God I love;
here s my heart, O take and seal it,
seal it for thy courts above.

```

| /  slide up
| \  slide down
| H hammer-on
| p  pull-off
| ~  vibrato
| +  harmonic
| x  Mute note

```

Rock on.